

Now, Dr. Fauzia Khan; not present. Shri Dhairyashil Mohan Patil — Demand for establishment of Multifunctional Development Centres in Raigad districts of Maharashtra for its comprehensive development.

Demand for establishment of Multi-Functional Development Centres in Raigad district of Maharashtra for its comprehensive development

श्री धैर्यशील मोहन पाटिल (महाराष्ट्र): आदरणीय उपसभापति महोदय, रायगढ़ जिले में औद्योगिक विकास हेतु कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकता के मुद्दे पर मैं अपनी अपेक्षा यहाँ पर व्यक्त कर रहा हूँ।

आदरणीय उपसभापति महोदय, रायगढ़ जिला महाराष्ट्र का एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है। एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र होने के साथ ही यहाँ एक अच्छा तटीय क्षेत्र भी है। इसके साथ ही, यहाँ एक ओर जेएनपीटी, धरमतार, दिघी जैसे बंदरगाह हैं, तो दूसरी ओर तलोजा, महाड, रसायनी जैसे औद्योगिक क्षेत्र भी हैं। इस जिले में कृषि उद्योग, मत्स्यपालन और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भी बहुत अच्छा potential माना जाता है। इन क्षेत्रों में स्थानीय युवकों को रोजगार मिलने की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए उनको कुशल कार्यबल का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित करना भी बहुत जरूरी है। मौजूदा प्रशिक्षण सुविधा इस आवश्यकता का पूरे तरीके से समाधान करने में असमर्थ हैं, जिसके कारण स्थानीय युवकों के लिए रोजगार के अवसर बहुत ही सीमित हो जाते हैं। उपसभापति महोदय, जिला कार्य योजना के अनुसार जितने कुशल कार्यबल प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है, इस जिला को उससे कई गुना ज्यादा कुशल कार्यबल की आवश्यकता है।

उपसभापति महोदय, मेरी अपेक्षा है कि सरकार को जेएनपीटी, दिघी जैसे क्षेत्रों में जो औद्योगिक कंपनियाँ हैं, औद्योगिक संगठन हैं, उनके साथ मिल कर बहुक्षेत्रीय कौशल विकास केन्द्रों की स्थापना करनी चाहिए, जिससे स्थानीय युवक-युवतियाँ कुशल कार्यबल में प्रशिक्षित हो सकें, जिससे स्थानीय युवक-युवतियों को रोजगार मिल सके और इस जिले का समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित हो सके। उपसभापति महोदय, मेरी अपेक्षा है कि यह जिला जिस आर्थिक प्रगति और सामाजिक प्रगति का हकदार है, वह हक इस जिला को मिले, यहाँ के युवक-युवतियों को मिले। धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Dr. Anil Sukhdeorao Bonde — Demand for conferring the Bharat Ratna Award posthumously on the late Dr. Panjabrao Shamrao Deshmukh.

Demand for conferring the Bharat Ratna Award posthumously on the late Dr. Panjabrao Shamrao Deshmukh

डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से देश के लिए विशेष रूप से शिक्षा, कृषि तथा सामाजिक क्षेत्र में महान योगदान देने वाले स्वर्गीय डा. पंजाबराव

शामराव देशमुख को भारत रत्न प्रदान करने के लिए अनुरोध कर रहा हूँ। डा. पंजाबराव शामराव देशमुख का जन्म 27 दिसंबर, 1898 को हुआ था, जिन्हें भाऊसाहेब के नाम से जाना जाता था। वे 1954 में पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के कैबिनेट में कृषि मंत्री थे। महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाके से, अतिशय गरीब परिस्थिति से आने वाले पंजाबरावजी देशमुख का शिक्षण केंब्रिज विश्वविद्यालय में हुआ और वे बैरिस्टर बने। घर में घोर गरीबी के बावजूद उन्होंने यात्रा के लिए लोक सहभाग से पर्याप्त धन जुटाया। उन्होंने बैरिस्टर की डिग्री और संस्कृत में एमए की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 'वैदिक साहित्य में धर्म की उत्पत्ति और विकास' विषय के साथ अपनी पीएचडी पूरी की। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले के सत्यशोधक समाज के तहत अध्ययन किया। उन्होंने अछूतों को अमरावती के अंबा देवी मंदिर में प्रवेश की अनुमति के लिए सत्याग्रह किया। उन्होंने अमरावती में श्री शिवाजी एजुकेशन सोसाइटी की स्थापना की। आज इस सोसाइटी में 24 डिग्री कॉलेज, 54 इंटरमीडिएट कॉलेज, 75 हाई स्कूल, 35 छात्रावास, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो बहुजन समाज के लड़कों को पढ़ाते हैं। 1952 से 1962 तक 10 वर्षों के लिए उन्होंने केन्द्रीय कृषि मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे डा. बी.आर. अम्बेडकर से प्रेरित थे। वे डा. बाबा साहेब अम्बेडकर के मिशन के समर्थक थे। वे डा. बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा स्थापित स्वतंत्र लेबर पार्टी के विदर्भ क्षेत्र के सचिव भी थे। उन्होंने अपनी प्रतिभा और ऊर्जा को उन नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन के लिए समर्पित किया, जो कृषि और कृषकों के लिए समृद्धि लाए।

उन्होंने 'भारत कृषक समाज' की स्थापना की थी, 1955 में 'फूड फॉर मिलियंस' नामक अभियान शुरू किया था और 1959 में 'विश्व कृषि मेला' का सर्वप्रथम आयोजन किया था। उन्होंने 1958 में जापानी पद्धति से चावल की खेती की शुरुआत भी की थी। इस वर्ष पूरा भारत डा.पंजाबराव देशमुख जी की 125वीं जयंती मना रहा है। चूंकि डा.पंजाबराव देशमुख जी ने शिक्षा, कृषि और सामाजिक क्षेत्र में पूरे देश में बहुत बड़ा योगदान दिया, इसलिए मैं उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित करने का अनुरोध करता हूँ, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member Dr. Anil Sukhdeorao Bonde: Shri Banshilal Gurjar (Madhya Pradesh), Shri Chunnilal Garasiya (Rajasthan), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Shri Govindbhai Laljibhai Dholakia (Gujarat), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra) and Dr. Ajeet Madhavrao Gopchade (Maharashtra).

श्रीमती माया नारोलिया, 'Demand for revival and conservation of Narmada River.'

Demand for revival and conservation of Narmada River

श्रीमती माया नारोलिया (मध्य प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ।